कृषि विज्ञान केन्द्र

गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

जनवरी, 2026, अंक 21

दालों के पोषण मूल्य एवं प्रसंस्करण विषय पर प्रशिक्षण

दिनांक 1 से 2 दिसंबर 2025 को केन्द्र पर अनुसूचित जाति उपपरियोजना अंतर्गत दालों के पोषण महत्व एवं प्रसंस्करण विषय पर दो दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण में बरलाजसर की 20 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । कार्यक्रम का उद्देश्य दालों के पोषण मूल्य, घरेलू एवं उद्यम स्तर पर प्रसंस्करण की तकनीकों तथा मूल्य संवर्धन के माध्यम से आय वृद्वि की संभावनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराना था । प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागी महिलाओं को कृषि विज्ञान केन्द्र की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण करवाया गया , जिसमें विशेष रूप से दाल प्रसंस्करण इकाई का अवलोकन कराया गया, ताकि वे प्रसंस्करण की व्यावहारिक समझ विकसित कर सके । प्रायोगिक सत्र में महिलाओं को मंगोडी बनाने की विधि सिखाई गई, जिसमें वे दालों के प्रसंस्करण द्वारा पौष्टिक उत्पाद तैयार करने की तकनीक सीख सके । तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ, गृह विज्ञान डॉ. रमन जोधा, ने दालों के पोषण का महत्व, स्वच्छता, गुणवता बनाये रखने के उपाय तथा घरेलू स्तर पर प्रसंस्करण से होने वाले लाभों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की ।

बकरी पालन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

दिनांक 1 से 5 दिसंबर 2025 तक केन्द्र पर बकरी पालन तकनीक एवं प्रबंधन विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण में सरदारशहर, सुजानगढ एवं रतनगढ क्षेत्र के जीवनदेसर, लाछडसर एवं धडसीसर सहित गांवों से आये 16 बकरी पालकों ने भाग लिया । कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बकरी पालन को वैज्ञानिक पद्वतियों से अपनाकर पशुपालकों की आय में वृद्वि करना और डेयरी उत्पादन को अधिक लाभकारी बनाना रहा । प्रशिक्षण के दौरान मुख्य विशेषज्ञ पशुपालन श्री श्याम बिहारी ने तकनीकी सत्र में बकरी पालन के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी । उन्होंने बकरी नस्ल चयन, आवास निर्माण और स्वच्छता, पोषण संतुलन के लिए स्थानीय औषधीय एवं फाइबर युक्त आहार, दुग्ध उत्पादन वृद्वि के लिए फीडिंग तकनीक, टीकाकरण एवं रोग नियंत्रण, प्रजनन प्रबंधन, किशोर बकरियों की देखभाल, शिशु बकरियों का पालन–पोषण ओर विपणन से जुडे उपायों को सांझा किया । प्रतिभागियों को केन्द्र की डेयरी युनिट का भ्रमण करवाया गया, जहां उन्हें उन्नत उत्पादन तकनीक, मवेशी स्वास्थय प्रबंधन का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ । प्रायोगिक सत्रों में बकरियों के आहार का संतुलन बनाने, दुधारू बकरियों का स्वास्थ्य परीक्षण और पोषण संबंधी सुधार उपाय भी सिखाये गये । प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों ने बकरीपालन को लाभकारी उद्यम के रूप में विकसित करने हेतु प्राप्त तकनीकी ज्ञान को अपने गांवों में अपनाने और स्थानीय स्तर पर किसानों के बीच साझा करने की प्रतिबद्वता व्यक्त की ।

गेहूँ, जौ एवं सरसों में कीट प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण

दिनांक 6 दिसंबर 2025 को ग्राम बरलाजसर में अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत गेहूँ, जौ एवं सरसों में कीट प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को रबी फसलों में लगने वाले प्रमुख कीटों की पहचान एवं उनके प्रभावी नियंत्रण की वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना था । तकनीकी सत्र में पौध सरंक्षण विशेषज्ञ श्री मुकेश शर्मा ने गेहूँ एवं जौ में दीमक, माहू, तना छेदक तथा सरसों में माहू, पेंटेड बग एवं आरा मक्खी जैसे प्रमुख कीटो के लक्षण, जीवन चक्र एवं उनसे होने वाली क्षति के बारे विस्तार से जानकारी दी । उन्होंने बताया कि समय पर कीटों की पहचान कर वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन करने पर फसल नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है । तकनीक सत्र के दौरान श्री शर्मा ने समन्वित कीट प्रबंधन (IPM) अपनाने पर विशेष जोर देते हुए फसल चक्र, पीले चिपचिपे ट्रैप, जैविक कीटनाशकों तथा आवश्यकतानुसार अनुशंसित रासायनिक कीटनाशकों के संतुलित एवं सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी, साथ ही कीटनाशकों के छिडकाव का सही समय, मात्रा एवं विधि भी समझाई गई ।

श्रम न्यूनीकरण यंत्रों के महत्व एवं उपयोग पर प्रशिक्षण आयोजित

दिनांक 6.12.2025 को ग्राम बरलाजसर में श्रम न्यूनीकरण यंत्रों का महत्व एवं उपयोग विषय पर 20 किसान महिलाओं के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य महिला किसानों को घरेलू एवं कृषि कार्यो में श्रम कम करने वाले आधुनिक यंत्रों की उपयोगिता से अवगत कराना रहा । तकनीकी सत्र में गृह विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. रमन जोधा ने महिला किसानों को काउ डंग कलेक्टर सहित अन्य विभिन्न श्रम न्यूनीकरण यंत्रों (रिवोल्विंग स्टूल, कोट बैग आदि) के महत्व, कार्यविधि एवं उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की । प्रशिक्षण के दौरान कृषि यंत्रों के प्रयोग उनकी कार्यक्षमता तथा समय व श्रम की बचत को सरल रूप से समझाया गया । डॉ. जोधा ने बताया कि इन यंत्रों के उपयोग से महिलाओं के शारीरिक श्रम में कमी आती है, कार्य की गति बढती है तथा स्वास्थ्य पर पडने वाले प्रतिकुल प्रभाव भी कम होते हैं, साथ ही उन्होंने महिला किसानों को कृषि एवं पशुपालन से जुडे दैनिक कार्यो में ऐसे यंत्र अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिससे कार्य दक्षता एवं आय में वृद्वि संभव हो सके । प्रशिक्षण के दौरान महिला किसानों ने अपने अनुभव साझां किये एवं यंत्रों के उपयोग से संबंधित प्रश्न किये । कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों से अपील की गई की वे श्रम न्यूनीकरण यंत्रों को अपनाकर समय, श्रम एवं उर्जा की बचत करें ।

रबी फसलों में समन्वित कीट एवं रोग प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन

दिनांक 11 से 12 दिसंबर 2025 को केन्द्र पर रबी फसलों से समन्वित कीट एवं रोग प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण में रतनगढ एवं सरदारशहर तहसील के 26 किसानों ने भाग लिया । प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक

दृष्टिकोण से कीट एंव रोगों की पहचान, उनके पबंधन की आधुनिक तकनीकें और उत्पादन में वृद्वि के उपाय समझाना था । प्रशिक्षण दौरान प्रतिभागियों को समन्वित कीट प्रबंधन (IPM) के अंतर्गत जैविक और रासायनिक नियंत्रण के सही तरीकों, कीट पहचान और फसल सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई । साथ ही साथ फसल रोगों की पहचान, रोग नियंत्रण हेतु समय पर उर्वरक और कीटनाशक का चयन और केन्द्र की प्रयोगशालाओं व प्रक्षेत्र इकाई का भ्रमण भी कराया गया ताकि किसान सीधे ही प्रायोगिक अनुभव प्राप्त कर सकें । प्रशिक्षण के अंत में तकनीकों को खेतों में लागू करने तथा रबी फसलों के उत्पादन और गुणवता सुधार में इसका उपयोग करने क प्रतिबद्वता व्यक्त की ।

किसान गोष्ठी का आयोजन, तकनीक सत्रों में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से अवगत कराया

केन्द्र पर दिनांक 13 दिसम्बर 2025 को किसान गोष्टी का आयोजन किया गया जिसमें सरदारशहर तहसील के 23 किसान एवं महिला किसानशामिल हुए । कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, फसल प्रबंधन, पोषण सुरक्षा, उत्पादन वृद्वि से संबंधित उन्नत ज्ञान से अवगत कराना था । गोष्टी में विभिन्न तकनीक सत्र आयोजित किए गये, जिसमें डॉ. रमन जोधा, गृह विज्ञान विशेषज्ञ ने पोषण सुरक्षा, कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के तरीकों पर जानकारी दी । श्री हरीश रछौया, सस्य विज्ञान विशेषज्ञ ने फसलों में कीट और रोग प्रबंधन, जैविक नियंत्रण तकनीक और समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन (INM) पर विस्तृत चर्चा की । इसके अलावा श्री श्याम बिहारी, पशुपालन विशेषज्ञ ने डेयरी और बकरी पालन से संबधित तकनीक, स्वास्थय प्रबंधन और प्रजनन प्रणाली पर किसानों को मार्गदर्शन प्रदान किया ।कृषि विज्ञान केन्द्र की सभी इकाईयों का भ्रमण कराया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने दाल प्रसंस्करण, डेयरी युनिट, बकरी पालन इकाई का अवलोकन किया । किसानों को इन इकाईयों में प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कराते हुए उन्हें व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी दी गई, जिसे वे अपने खेतों और उद्यमों में लागू कर सके । कार्यकम के अंत में किसानों ने सीखे गए तकनीकी ज्ञान को अपनाने और स्थानीय स्तर पर उन्नत कृषि पद्वतियों का प्रचार–प्रसार करने की प्रतिबद्वता व्यक्त की ।

स्वरोजगार हेतु सजावटी सामान एवं सिलाई प्रशिक्षण का समापन्न

केन्द्र द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम पुलासर में महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वरोजगार से जोडने के उद्देश्य से सजावटी सामान निर्माण एवं सिंलाई प्रशिक्षण (18 नवम्बर से 18 दिसम्बर तक) कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 16 महिलाओं एवं बालिकाओं ने भाग लिया । जिसका उद्देश्य महिलाओं को आत्म

निर्भर बनाकर उन्हें आय के वैकल्पिक साधन उपलब्ध कराना रहा । प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सिलाई मशीन का सही उपयोग, रख रखाव एवं मरममत की मूल जानकारी के साथ–साथ विभिन्न प्रकार के उपयोगी बाजारोन्मुखी सजावटी सामान तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया । इसमें मुख्य रूप से सलवार सूट, ब्लाउज, पेटीकोट, बच्चों के कपडे, एपरिन, बैग, कुशन कवर, टेबल कवर, कम्पयूटर कवर एवं अन्य घरेलू उपयोगी वस्तुओं (वाल हैगिंग, गिफ्ट आईट्मस, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट मेटेरियल) का निर्माण शामिल रहा । दिनांक 18.12.25 को समापन अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. रमन जोधा द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया । साथ ही घरेलू स्तर पर लघु उधोग स्थापित करने, लागत–लाभ विश्लेषण, उत्पादों का मूल्य निर्धारण एवं स्थानीय बाजार से जुडाव हेतु मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया ।

तकनीकी सप्ताह का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न

दिनांक 16 से 22 दिसंबर 2025 तक केन्द्र में सात दिवसीय तकनीकी सप्ताह का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में कुल 314 प्रतिभागियों ने भाग लिया , जिनमें किसान, किसान महिलाएं, पशुपालक, युवा तथा छात्र–छात्राएं शामिल थे । कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि विज्ञान केन्द्र की आधुनिक तकनीकों, नवाचारों और फसल प्रबंधन पद्वतियों से प्रतिभागियों को प्रत्यक्ष अवगत कराना था । सात दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों के लिए प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें केन्द्र के विभिन्न नवाचार, फसल प्रबंधन तकनीकें, फसल सरंक्षण उपाय, जल प्रबंधन प्रणाली और मूल्य सवंर्धन के उत्पाद प्रदर्शित किये गये । इससे प्रतिभागियों को कृषि विज्ञान के व्यावहारिक पहलुओं की समझ मिली और उन्हें नवाचारों को अपनाने के प्रति उत्साह व्यक्त किया । सात दिवसीय कार्यक्रम में केन्द्र की सभी इकाईयों का भ्रमण करवाया गया । तकनीकी सत्रों के दौरान डॉ. रमन जोधा, गृह विज्ञान विशेषज्ञ ने पोषण सुरक्षा और उत्पाद प्रसंस्करण पर मार्गदर्शन दिया । श्री हरीश रछौया, सस्य विज्ञान विशेषज्ञ ने फसल विज्ञान, रबी फसलों की तकनीकी जानकारी, कीट एवं रोग प्रबंधन और जैविक कृषि पर जानकारी सांझा की । श्री श्याम बिहारी, पशुपालन विशेषज्ञ ने डेयरी, बकरीपालन, स्वास्थय प्रबंधन, प्रजनन तकनीकें और आय सवंर्धन के उपाय बताएं । कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने सीखे गये तकनीकी ज्ञान को अपने खेतों और उद्यमों में लागू करने तथा स्थानीय स्तर पर आधुनिक कृषि पद्वतियों का प्रचार–प्रसार करने की प्रतिबद्वता व्यक्त की ।

रबी फसलों में समन्वित पोषण प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 18 दिसंबर 2025 को ग्राम पुलासर में रबी फसलों में समन्वित पोषण प्रबंधन एवं फसल प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को रबी फसलों में संतुलित पोषण प्रबंधन एवं उन्नत फसल प्रबंधन तकनीकों की वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना रहा । कार्यक्रम के मुख्य

तकनीकी सत्र में श्री हरीश कुमार, सस्य वैज्ञानिक विशेष रूप से सरसों एवं गेहूँ फसलों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पोषक तत्वों की आवश्यकता, उर्वरकों के संतुलित उपयोग तथा मृदा स्वास्थय के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी । उन्होंने बताया कि समन्वित पोषण प्रबंधन अपनाने से न केवल फसल की उपज में वृद्वि होती है, बल्कि मृदा की उर्वरता भी लंबे समय तक बनी रहती है । तकनीकी सत्र के दौरान श्री रछौया ने जैविक खाद, हरी खाद, मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक उपयोग तथा सुक्ष्म पोषक तत्वों की भूमिका पर विशेष जोर दिया साथ ही उन्होंने महिलाओं को सरसों एवं गेहूँ की फसलों में समय पर खाद प्रबंधन एवं उचित कृषि क्रियाओं के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया । प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागी महिलाओं ने अपनी खेती से जुडी समस्याएं सांझा की, जिनका समाधान विशेषज्ञ द्वारा मौके पर ही किया गया । कार्यक्रम के अंत में महिलाओं से अपील की गई कि वे वैज्ञानिक अनुशंसाओं के अनुसार पोषण प्रबंधन अपनाकर उत्पादन लागत कम करें तथा फसलों की गुणवता एवं उपज में वृद्वि करें ।

गेहूँ–जौ की फसलों में सुक्ष्म पोषक तत्व प्रबंधन पर प्रशिक्षण

दिनांक 19.12.2025 को रतनगढ तहसील के गांव देवीपुरा में गेहूँ एवं जौ में सुक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के लक्षण एवं प्रबंधन विषय पर 24 महिला एवं पुरूष किसानों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को रबी फसलों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी की लक्षणों की पहचान तथा उनके वैज्ञानिक प्रबंधन की जानकारी प्रदान करना रहा । कार्यक्रम में श्री हरीश कुमार रछौया, सस्य विज्ञान विशेषज्ञ ने गेहूँ व जौ की फसलों में जस्ता, लोहा, मैंगनीज एवं बौरॉन जैसे प्रमुख सुक्ष्म पोषक तत्वों की भूमिका, उनकी कमी से होने वाले लक्षण तथा उपज पर पडने वाले प्रभावों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी । प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित किसानों ने अपनी फसलों से संबंधित समस्याएं सांझा की जिनका समाधान विशेषज्ञ द्वारा मौके पर ही किया गया ।

मेथी फसल के समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन पर महिला किसानों का प्रशिक्षण

दिनांक 20 दिसम्बर 2025 को ग्राम बरलाजसर में मेथी फसल में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 23 महिला किसानों ने भाग लिया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला किसानों को मेथी की उन्नत खेती एवं संतुलित पोषण प्रबंधन की वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना रहा । कार्यक्रम में डॉ. अजय कुमावत, उद्यान विशेषज्ञ ने मेथी फसल में पोषक तत्वों की आवश्यकता, संतलित उर्वरक उपयोग एवं मृदा स्वास्थय के महत्व पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी । उन्होंने बताया कि समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने से मेथी की फसल में बेहतर वृद्वि, हरियाली एवं अधिक उपज प्राप्त की जा सकती है । प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागी महिलाओं के खेतों में पूर्व में लगाये गए मेथी की उन्नत किस्म **AFG-5** के प्रदर्शन प्रक्षेत्र का अवलोकन किया गया । इन प्रदर्शनों के माध्यम से महिलाओं को किस्म की विशेषताएं, पौध विकास एवं उत्पादन क्षमता के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी दी गई । तकनीकी सत्र के दौरान मुख्य, द्वितीय एवं सुक्ष्म पोषक तत्वों, जैविक खाद, मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक उपयोग तथा संतुलित पोषण प्रंबधन के लाभों पर चर्चा की गई । साथ ही महिलाओं को वैज्ञानिक तरीके से मेथी की खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया ।

किसान दिवस का आयोजन

केन्द्र पर दिनांक 23 दिसंबर 2025 को किसान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें सरदारशहर, रतनगढ तहसील के 227 प्रगतिशील कृषक एवं कृषक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । किसान दिवस के अवसर पर केन्द्र के विशेषज्ञ श्री मुकेश शर्मा ने किसानों को संबोधित करते हुए आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों पर विस्तार से व्याख्यान दिये । उन्होंने किसानों को उन्नत तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढाने एवं आय में वृद्वि करने के लिए प्रेरित किया । कार्यक्रम में केन्द्र के विशेषज्ञों द्वारा फसल उत्पादन, मृदा स्वास्थय, कीट एवं रोग प्रबंधन, जल सरंक्षण तथा कृषक महिलाओं के लिए पोषण एवं बागवानी जैसे विषयों पर जानकारी प्रदान की गई । किसानों द्वारा रखी गई समस्याओं का समाधान विशेषज्ञों द्वारा किया गया । इस अवसर पर प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया तथा साथ ही सभी किसानों को राज्य की नवीन कृषि योजनाओं में अधिकाधिक पंजीकरण करवाने हेतु मार्गदर्शन दिया गया ।

चने में फली छेदक प्रबंधन पर प्रशिक्षण का आयोजन

दिनांक 24 दिसंबर 2025 को ग्राम पातलीसर में चने में फली छेदक कीट प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 21 किसानों ने भाग लिया । इस प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को चने में लगने वाले फली छेदक कीट की पहचान, उससे होने वाली क्षति तथा उसके प्रभाव एवं वैज्ञानिक प्रबंधन की जानकारी प्रदान करना था । कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में श्री मुकेश शर्मा, पौध सरंक्षण विशेषज्ञ ने फली छेदक कीट के जीवन चक्र, फसल पर दिखाई देने वाले लक्षण तथा उत्पादन पर पडने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी साथ ही फसल चक्र, खेत की स्वच्छता, फेरोमोन ट्रेप, जैविक नियंत्रण उपायों एवं आवश्यकतानुसार अनुशंसित रासायनिक कीटनाशकों के संतुलित एवं सरंक्षित उपयोग पर विशेष जोर दिया साथ ही किसानों को कीटनाशकों के सही समय, मात्रा एवं छिडकाव की विधि के बारे में भी जागरूक किया गया। उन्होनें बताया कि समय पर कीट की पहचान कर समन्वित कीट प्रबंधन अपनाने से फसल क्षति को काफी हद तक कम किया जा सकता है ।

सरसों फसल में पाला प्रबंधन पर किसान प्रशिक्षण आयोजित

दिनांक 24 दिसंबर 2025 को ग्राम पातलीसर में सरसो फसल में पाला प्रबंधन और इसके बचाव विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 22 किसान एवं किसान महिलाओं ने भाग लिया । इस प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को सरसों की फसल को पाले से होने वाले नुकसान से बचाने हेतु वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक उपायों की जानकारी प्रदान करना रहा । कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में श्री हरीश रछौया, सस्य विज्ञान विशेषज्ञ ने सरसों फसल पर पाले के प्रभाव, उसके लक्षण तथा फसल सुरक्षा के उपायों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी । उन्होंने बताया कि पाले की संभावना वाले समय पर उचित प्रबंधन अपनाने से फसल क्षति को काफी हद तक कम किया जा सकता है । प्रशिक्षण के दौरान श्री रछौया ने पाला पडने की स्थिति में हल्की सिंचाई, धुंआ करना, सल्फर आधारिक पोषक तत्वों का छिडकाव तथा फसल अवशेष प्रबंधन जैसे उपायों पर विशेष जोर दिया । साथ ही उन्होने किसानों को मौसम पूर्वानुमान पर ध्यान देने

और समय रहते बचावात्मक उपाय अपनाने की सलाह दी । कोर्यक्रम के दौरान किसानों एवं किसान महिलाओं ने अपनी फसलों से संबंधित अनुभव सांझा किए, जिनका समाधान विशेषज्ञ द्वारा मौके पर ही किया गया ।

स्वच्छता ही सेवा का संदेशः कृषि विज्ञान केन्द्र में अभियान आयोजित

दिनांक 16 से 31 दिसंबर 2025 तक केन्द्र द्वारा स्वच्छता, स्वास्थय और पर्यावरण सरंक्षण के महत्व को किसानों, युवा वर्ग और स्थानीय समुदाय तक पहुँचाने के उद्देश्य से स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया । अभियान के दौरान विभिन्न गतिविधियॉ आयोजित की गई, जिसमें केन्द्र की सभी इकाईयों का भ्रमण कराया गया । प्रतिभागियों को कचरा पृथक्करण, रीसाईक्लिंग, कम्पोस्टिंग और गार्डन/बगीचे की स्वच्छता के महत्व के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी दी गई, साथ ही, जल संचयन और पानी की सफाई के उपाय भी प्रदर्शित किए गये ।अभियान के दौरान केन्द्र के विशेषज्ञ डॉ. रमन जोधा, श्री हरीश कुमार और श्री श्याम बिहारी ने स्वच्छता और स्वास्थय ,पर्यावरण सरंक्षण और कृषि परिसर में स्वच्छता

बनाये रखने के आधुनिक उपायों पर तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया । प्रतिभागियों को परिसर की सफाई में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया गया ।स्वच्छता अभियान के अंतर्गत बच्चों, युवाओं और किसानों ने मिलकर केन्द्र की नर्सरी युनिट, बगीचा युनिट, डेयरी युनिट और अन्य प्रयोगशालाओं में सफाई का कार्य किया । इसके साथ ही जागरूकता पोस्टर, बैनर और प्रदर्शनी के माध्यम से स्वच्छता और स्वास्थय के महत्व को भी सांझा किया गया । अभियान के अंत में सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता बनाये रखने और इसे अपने घरों तथा समुदायों में अपनाने की प्रतिबद्वता व्यक्त की ।

संकलनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ)	डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान)	डॉ. वी. के. सैनी
श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ)	Designed श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ)	Typed श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	कृषि विज्ञान केन्द्र,
श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ)		सरदारशहर,चूरू–I
श्री कानाराम सोढ (फार्म मैनेजर)		